>

Title: Need to include 'cold wave' and 'frost' in the list of natural calamities.

श्री राम सिंह कस्वां (चुरू): इस वर्ष राजस्थान में शीतलहर और पाला पड़ने के कारण गेहूं, चना, सरसों की फसल तबाह हो गई है। मेरे संसदीय क्षेत्र चुरू में बार बार अकाल पड़ते रहते हैं। इस वर्ष अच्छी बरसात के बाद अच्छी फसल के आसार बने थे, लेकिन शीतलहर के कारण सम्पूर्ण फसल बर्बाद हो गई है। क्षेत्र के किसानों/सामाजिक/राजनैतिक संगठनों ने जिला कलेक्टर, माननीय मुख्यमंत्री से मिलकर बर्बाद हुई फसल का तुंत आंकलन करवाकर किसान को राहत देने की मांग की है, राजस्थान विधानसभा में जन प्रतिनिधियों ने भी इस संबंध में किसान को राहत प्रदान करने की मांग की है, लेकिन राजस्थान सरकार उक्त होने वाले नुकसान को प्राकृतिक आपदा में शामिल नहीं होने के कारण कुछ भी करने में असमर्थता जाहिर कर रही है। आज किसान की हालात अत्यन्त ही खराब है । वर्षो से पड़ने वाले अकाल ने किसान को तबाह कर दिया है। कभी कभी अच्छी फसल होने के आसार बनते हैं, लेकिन इस तरह की घटनाओं से किसान की कमर टूट जाती है, ऊपर से राज्य सरकार कुछ भी करने में असमर्थ है। किसान देश का भविष्य हैं, किसान अन्नदाता है उसकी रक्षा की जाए, सहायता की जाए । अकाल व अतिवृष्टि की तरह शीतलहर व पाले को भी प्राकृतिक आपदा में शामिल करने की मांग काफी समय से की जा रही है। राजस्थान सरकार ने भी इस संबंध में भारत सरकार से मांग की है, लेकिन अभी तक सरकार ने इस संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया है। अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि शीतलहर व पाले को भी प्राकृतिक आपदा में शामिल करते हुए राजस्थान के किसानों को राहत प्रदान करने के लिए विशेष पैकेज जारी किया जाए ।